सेवा में सत्यनिष्ठा

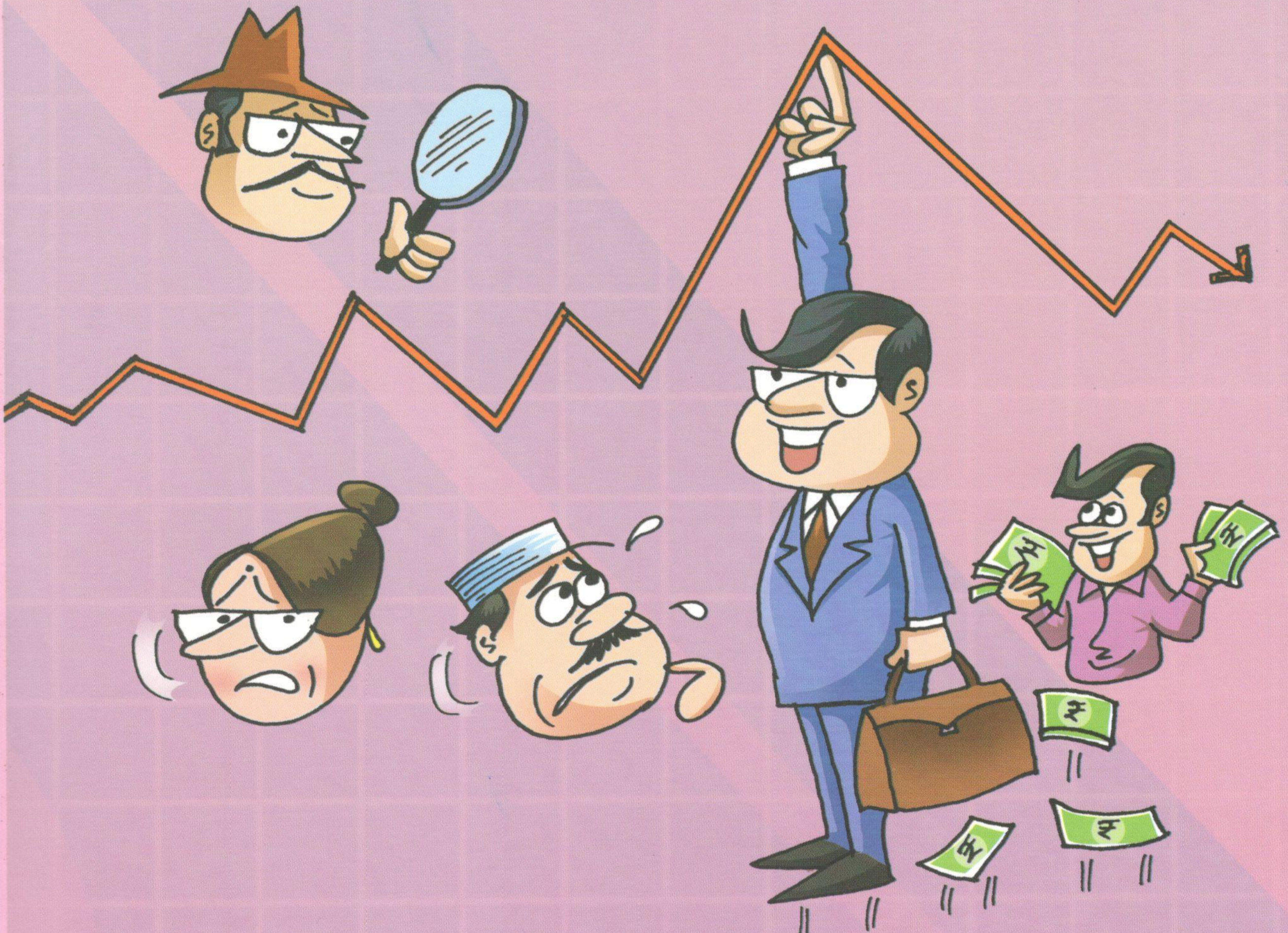

भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सेवा में सत्यनिष्ठा

श्री ए के चौधरी, निदेशक, अपने केबिन में बैठे एबीएक्स कंपनी, जिसे उनकी कंपनी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है; के दस्तावेजों को पढ़ रहे थे।
ABX Co
सर, यह बोर्ड बैठक की प्रस्तावित तिथि है।
ठीक है! इस दौरान ट्रेडिंग विंडो बंद रहेगी।
यह बहुत अच्छा समय है। इस अधिग्रहण के बाद हमारी कंपनी उद्योग की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक बन जाएगी।
हाँ सर, यह हमारी कंपनी के लिए बहुत अच्छा होगा।
हमारे शेयरों की कीमतों में काफी बढ़ोतरी होगी।
TOP TEN CO.

हाँ सर, जिसने भी हमारे शेयरों में निवेश किया है, उसे बहुत लाभ होगा।
हाँ, सच में!
और ये लाभ तुरंत कम से कम 40% तक का होगा।
इस लाभ को पाने के लिए मुझे भी कुछ करना चाहिए।
लेकिन मैं इसके लिए अपने खाते से निवेश नहीं कर सकता।
श्री ए के चौधरी अपने भाई को फ़ोन करते हैं
हेलो राजेश, कैसे हो? क्या चल रहा है आजकल ?

हेलो भैया, यहाँ सब ठीक है। आप कैसे हैं?
मैं अच्छा हूँ ।
भाभी ने मुझे बताया कि आप पिछले कुछ हफ्तों से बहुत व्यस्त हो।
हाँ। मैंने तुम्हें ऐसी बात बताने के लिए कॉल किया है, जो हम दोनों के लिए फायदेमंद हो।
ऐसी बात सुनने के लिए मैं उत्सुक हूँ।

ऑफिस में
क्या तुमने हमारी कंपनी के शेयरों में निवेश किया है?
हाँ, मैंने कुछ शेयर 3 महीने पहले खरीदे थे।
तुरंत ही 10,000 शेयर और खरीदो।
10,000? मैं खरीद लूंगा, लेकिन क्यों?

जहां तक मुझे पता है, पिछली तिमाही में आपकी कंपनी के शेयर की कीमत नहीं बढ़ी है। और 10,000 बहुत बड़ी संख्या है।
हां, मुझे पता है, लेकिन अगले 15-20 दिनों में इसके शेयरों की कीमत कम से कम 40% बढ़ जाएगी।
हम कुछ नए निवेशों सहित एक बड़ा अधिग्रहण करने जा रहे हैं, जिससे निश्चित रूप से हमारे शेयर की कीमतें बढ़ेंगी।
सच में, ठीक है। तो मैं उन्हें आज ही खरीद लूंगा। धन्यवाद भैया।
लेकिन सावधान रहना, इस बारे में किसी को पता नहीं चलना चाहिए।
बिल्कुल भैया।
मुनाफा मिलने के बाद मुझे मत भूल जाना।
निश्चित रूप से भैया।

दोनों जोर से हंसते हैं।
बोर्ड बैठक
मेसर्स एबीएक्स का अधिग्रहण करने की योजना निश्चित रूप से हमारे व्यापार को एक बड़ा विस्तार देने वाली है।
वित्तीय एवं अन्य विवरणों की समीक्षा भी इस अधिग्रहण के पक्ष में है।
आइए, इस प्रस्ताव को मंज़ूरी दे।
कुछ दिनों बाद
देखा, मैंने कहा था ना कि शेयर के दाम बढ़ जाएंगे।
हाँ भैया। आपने सही कहा था।

अब उन शेयरों को बेच दो। वे अधिकतम कीमत पर पहुंच गए हैं और इस स्तर पर मुनाफा भी अच्छा है।
हाँ मैं करता हूँ और हम बाद में पार्टी करेंगे।
दो मैनेजर आपस में बात करते हुए
सुनो, मैंने चौधरी सर को कुछ दिनों पहले उनके चैम्बर में किसी व्यक्ति को हमारी कंपनी के शेयर खरीदने के लिए कहते सुना था।
और आज मैंने सर को किसी से फ़ोन पर शेयरों को बेचने और मुनाफा बांटने के बारे में बोलते हुए सुना। मुझे लगता है कि यह वही व्यक्ति है जिसे मैंने सर के चैम्बर में देखा था।
ऐसी गोपनीय सूचनाओं से जुड़े अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस संवेदनशील जानकारी को बाहरी लोगों को लीक न करें।
यह तो कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन है।

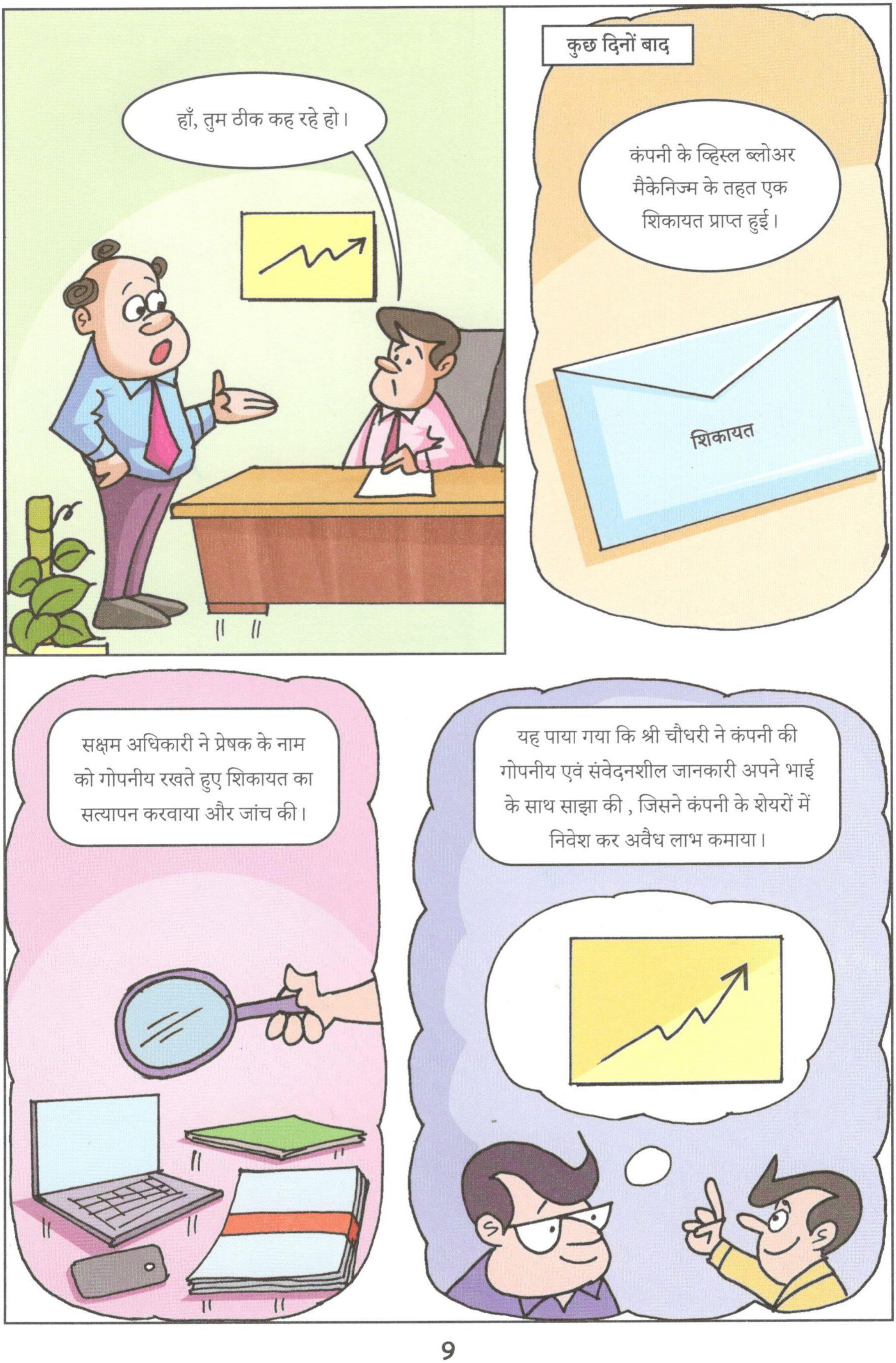
हाँ, तुम ठीक कह रहे हो।
कुछ दिनों बाद
कंपनी के व्हिस्ल ब्लोअर मैकेनिज्म के तहत एक शिकायत प्राप्त हुई।
शिकायत
सक्षम अधिकारी ने प्रेषक के नाम को गोपनीय रखते हुए शिकायत का सत्यापन करवाया और जांच की।
यह पाया गया कि श्री चौधरी ने कंपनी की गोपनीय एवं संवेदनशील जानकारी अपने भाई के साथ साझा की , जिसने कंपनी के शेयरों में निवेश कर अवैध लाभ कमाया।

श्री चौधरी को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जाता है।
श्री चौधरी, क्या यह सच है कि आपने अपने परिवार के सदस्य को हमारी कंपनी के शेयर खरीदने के लिए उस अवधि के दौरान कहा था, जब कंपनी अधिग्रहण प्रस्ताव को अंतिम रूप दे रही थी और बोर्ड इसे मंजूरी देने जा रहा था?
नहीं सर।
सीएमडी
तो यह क्या है?
सर, मैंने अपने भाई से इसे मार्केटिंग की तरह ही कहा था।
आप अधिग्रहण प्रक्रिया में शामिल थे। फिर भी, आपने यह जानते हुए कि यह जानकारी अत्यधिक गोपनीय है, उसे लीक किया।
N..oo..oS..ii..r, tha..ts नहीं।

यह हमारी कंपनी के नियमों का उल्लंघन है।
इतने वरिष्ठ पद पर होने के नाते, आपसे इसकी उम्मीद नहीं की गई थी।
आपको हर समय उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा बनाए रखने और नियमों तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन उचित प्रकार से करने की आवश्यकता थी।
सर..सर..
बोर्ड रूम
अब, हम कंपनी की नीति के अनुसार आपके खिलाफ़ कार्रवाई करने के लिए मजबूर हैं।
काश, मैंने सेवा में सत्यनिष्ठा का पालन किया होता, तो आज मेरा यह हाल ना होता.....

सेवा में सत्यनिष्ठा

- एक संगठन चाहे वह सामाजिक या वाणिज्यिक अथवा आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा हो, उसके कर्मचारियों और हितधारकों के लिए एक निर्दिष्ट आचार-संहिता होती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सभी संगठन के संचालन के सभी पहलुओं में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा बनाए रखें।
- आचार-संहिता यह सुनिश्चित करने के लिए होती है कि अनैतिक तरीकों को अपनाकर कोई भी, संगठन और समाज को दांव पर लगा कर अपने व्यक्तिगत लाभ या किसी तीसरे पक्ष को लाभ न पहुंचा पाए।
- संगठन की प्रणालियां और प्रक्रियाएं न केवल कुशल होनी चाहिए बल्कि नैतिक, न्यायसंगत और निष्पक्ष भी होनी चाहिए। ईमानदारी इसका आवश्यक घटक होना चाहिए।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023

www.cvc.gov.in

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित